



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 26] नई दिल्ली, शनिवार, जून 29, 1974/आषाढ़ 8, 1896

No. 26] NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 29, 1974/ASADHA 8, 1896

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 4

PART II—Section 4

रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी किये गए सांविधिक निम्न और आदेश

Statutory Rules and Orders issued by the Ministry of Defence

रक्षा मंत्रालय

नई दिल्ली, 15 मई, 1974

का० नि० आ० 209.—छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 13 की उपधारा (7) का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा अधिसूचित करती है कि छावनी बोर्ड, जलन्धर के निम्नलिखित व्यक्ति उनके सामने निम्नी बोर्डों से सदस्य के रूप में निर्वाचित हुए हैं—

- | | |
|---------------------------|---------------|
| 1. श्री जगनाथ गोयल | वार्ड नं० II |
| 2. श्री जगन नाथ सचदेव | वार्ड नं० III |
| 3. श्री दर्शन सिंह घई | वार्ड नं० IV |
| 4. श्री राम स्वरूप | वार्ड नं० V |
| 5. श्री राम लुभाइया अटवाल | वार्ड नं० VI |
| 6. श्री मधुसूदन लाल सेठी | वार्ड नं० VII |

[फाइल नं० 29/34/सी०/एल एण्ड सी/66/1463-सी/ डी(क्यू एण्ड सी)]

MINISTRY OF DEFENCE

New Delhi, the 15th May, 1974

S.R.O. 209.—In pursuance of sub-section (7) of section 13 of the Cantonments Act, 1924, (2 of 1924) the Central Government hereby notifies the election of the following persons to the Can-

tonment Board, Jullundur from the wards noted against each :—

- | | |
|------------------------------|--------------|
| 1. Shri Jagan Nath Goel | Ward No. II |
| 2. Shri Jagan Nath Sachdeva | Ward No. III |
| 3. Shri Darshan Singh Ghai | Ward No. IV |
| 4. Shri Ram Saroop | Ward No. V |
| 5. Shri Ram Lubhaya Atwal | Ward No. VI |
| 6. Shri Madhusudan Lal Sethi | Ward No. VII |

[File No. 29/34/C/L&C/66/1463-C/D (Q&C)]

नई दिल्ली, 13 जून, 1974

का० नि० आ० 210.—यतः, दानापुर छावनी के भीतर माहकिल कर की जगाही और बसूली के विनियमन से सम्बन्धित कतिपय उप-नियमों का प्रारूप, छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) द्वारा याथापेक्षित, छावनी बोर्ड दानापुर की 7 दिसम्बर, 1972 की सूचना सं० 23/7/2916 के साथ, उक्त सूचना के प्रकाशित होने की तारीख से 60 दिन के भीतर आपत्तियां और सुझाव मांगते हुए, प्रकाशित किया गया था ;

यतः 6 फरवरी, 1973 तक, जो कि आपत्तियां अथवा सुझाव भेजने के लिए अन्तिम तारीख थी, पूर्वोक्त छावनी बोर्ड को कोई आपत्तियां अथवा सुझाव प्राप्त नहीं हुए थे ;

यतः केन्द्र सरकार ने, छावनी अधिनियम, 1924 (1924 का 2) की धारा 284 की उप-धारा (1) द्वारा याथापेक्षित, उक्त उप-नियमों का सम्यक् रूप से अनुमोदन और पुष्टि कर दी है ;

अन., अब, छावनी अधिनियम, 1921 (1921 का 2) की धारा 282 के खण्ड (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार के रक्षा मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० नि० आ० 123, दिनांक 6 अप्रैल, 1968 में इस विषय पर प्रकाशित उप-नियमों को अधिकांश करते हुए छावनी बोर्ड, दानापुर, एतद्वारा निम्नलिखित उप-नियम बनाता है, अर्थात्:—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.—(1) इन उप-नियमों का नाम दानापुर छावनी (साइकिल कर) उप-नियम, 1974 है।

(2) ये तत्काल प्रवृत्त होंगे।

2. परिभाषा—“साइकिल” से अभिप्रेत है दो पहियों वाला ऐसा वाहन जिसे, पैडलों के द्वारा चालक स्वयं चलाता है।

3. साइकिल कर का अधिरोपण.—दानापुर छावनी की सीमा में उपयोग के लिए रखी गयी प्रत्येक बाइसाइकिल अथवा साइकिल के मालिक को 4 रुपये प्रतिवर्ष की दर से कर देना होगा; परन्तु यदि छावनी सीमाओं के भीतर कोई साइकिल 1 अक्टूबर के बाद खरीदी या लाई जाती है तो वित्त वर्ष के शेष भाग के लिए केवल 2 रुपये की दर से कर लिया जायेगा।

4. छूट—निम्नलिखित साइकिलों के सम्बन्ध में कोई कर देय नहीं होगा, अर्थात्:—

(क) बच्चों की साइकिलें;

(ख) वे बाइसाइकिलें जो केन्द्रीय सरकार अथवा राज्य सरकार की सम्पत्ति हैं;

(ग) एक-एक पुलिस अधिकारी के उपयोग के लिए एक-एक बाइसाइकिल जो उसके सरकारी कामकाज के सम्बन्ध में और पुलिस विनियमों के अधीन रखी जाए;

(घ) सरकार अथवा बोर्ड के एक-एक कर्मचारी के लिए एक-एक बाइसाइकिल जो उनके कर्तव्य के कुशल निष्पादन के लिए रखी गयी हो और जिसके अनुरक्षण के लिए नियोजक भत्ता देता हो;

(ङ) बाइसाइकिलों के वास्तविक व्यापारी द्वारा बेचने के लिए रखी गई बाइसाइकिलें जो किराये पर चलाने अथवा किसी अन्य प्रयोजन के लिए काम में न आ रही हों।

5. आबेदन का फार्म और कर का भुगतान.—(1) साइकिल कर का दैनिक व्यक्ति वित्त वर्ष प्रारम्भ होने अथवा जिस साइकिल पर कर लगना है उसे अपने कब्जे में लेने के तीस दिन के भीतर, इनमें से जो भी बाद में हो, साइकिल के रजिस्ट्रीकरण के लिए, आबेदन इन उप-नियमों के साथ संलग्न प्रारूप “क” में कार्यपालक अधिकारी को करेगा और आबेदन के साथ ही कर भी जमा करायेगा।

(2) उगाड़े गये कर की पावती, इन उप-नियमों के साथ संलग्न प्रारूप “ख” में दी गयी सरकारी रसीद द्वारा स्वीकार की जायेगी।

6. रसीद.—रसीद कर देने वाले व्यक्ति के नाम दी जाएगी और वह अन्तरणीय नहीं होगी।

7. टोकन का जारी किया जाना.—(1) कर का भुगतान और साइकिल का पंजीकरण हो जाने पर, बोर्ड पन्द्रह पैसे का अनिश्चित भुगतान लेकर, एक टोकन देगा।

(2) टोकन में वही नम्बर दिया हुआ होगा जो कर के देनदार व्यक्ति के नाम के सामने बोर्ड कार्यालय के मांग और उगाही रजिस्टर

में दिया हुआ हो, और इस टोकन को, जिस साइकिल के लिए यह दिया गया है, उस पर, किसी ऐसी जगह लगा दिया जायेगा जहां से वह साफ दिखायी दे।

8. टोकन का खो जाना.—यदि किसी साइकिल के लिए जारी किया गया टोकन खो जाता है, तो कार्यपालक अधिकारी, केवल 2 रुपये के अनिश्चित भुगतान पर एक और टोकन जारी करेगा।

9. रजिस्टर का प्रारूप.—रजिस्ट्रीकरण अथवा रजिस्ट्रीकरण के नवीकरण के लिए आवेदकों से प्राप्त सूचना अथवा अपने पास उपलब्ध किसी अन्य स्रोत से प्राप्त सूचना से, बोर्ड, इन उप-नियमों के साथ संलग्न प्रारूप “ग” में, एक मांग और उगाही रजिस्टर तैयार करवायेगा जिसमें साइकिल कर के देनदार सभी व्यक्तियों के नाम दर्ज किये जायेंगे।

10. किराये के लिए अभिप्रेत साइकिलें.—जो व्यक्ति किराये पर देने के लिए साइकिलें रख रहे हों, वे प्रत्येक वर्ष की पहली अप्रैल और पहली अक्टूबर को, ऐसी साइकिलों की एक सूची देंगे जिसमें साइकिलों की क्रम संख्या और उनके निर्माताओं का नाम दिया जायेगा।

11. उन परिसरों का निरीक्षण जहां किराये की साइकिलें रखी जाती हैं:—कार्यपालक अधिकारी अथवा इस सम्बन्ध में बोर्ड द्वारा प्राधिकृत कोई भी अधिकारी, साइकिलों के निरीक्षण के लिए उन परिसरों में जा सकता है जहां किराये पर चलने वाली साइकिलें रखी जाती हैं।

12. साइकिलों का अन्तरण.—(1) जब किसी रजिस्ट्रीकृत साइकिल का मालिक ऐसी साइकिल को, रजिस्ट्रीकरण की मियाद के दौरान, किसी अन्य व्यक्ति को अन्तरित करता है, तो वह इस तथ्य की रिपोर्ट कार्यपालक अधिकारी को करेगा जो मांग और उगाही रजिस्टर में मूल मालिक के नाम की जगह अन्तरिती का नाम प्रतिस्थापित करवायेगा।

(2) यदि अन्तरक ने वर्ष का कर पहले ही अदा कर दिया हो, तो वर्ष के शेष भाग के लिए अन्तरिती कर का देनदार नहीं होगा।

13. मूल मालिक का उत्तरदायित्व.—इस तरह के अन्तरण की रिपोर्ट देने तथा उस वर्ष के मांग और उगाही रजिस्टर में अन्तरिती का नाम प्रतिस्थापित होने तक, मूल मालिक, साइकिल का मालिक होने के नाते, इन उप-नियमों के अनुपालन के लिए उत्तरदायी होगा।

14. शरित्तियां—जो भी इन उपनियमों में से किसी का उल्लंघन करेगा वह दोष सिद्ध होने पर पचास रुपये तक जुर्माना से और नियम-भंग जारी रहने की दशा में अनिश्चित जुर्माना से, जो इस तरह के पहले अपराध की दोषसिद्धि के बाद में नियम-भंग होने रहने तक प्रति दिन दस रुपये तक हो सकता है, दण्डनीय होगा।

प्रारूप “क”

मेरा नाम,

कार्यपालक अधिकारी,
दानापुर छावनी।

प्रिय महोदय,

राजपत्र अधिसूचना सं०—, के अनुसार, मैं—
दिनांक—, के अनुसार, मैं—

—, साइकिल का मालिक, एतद्वारा घोषित करता हूँ कि नीचे दी गयी सूचना, मेरी सर्वोत्तम जानकारी के अनुसार सही है। कृपया मेरी साइकिल को रजिस्टर कर लें और मुझे रजिस्ट्रीकरण संख्या दे दें।

1. साइकिल का नम्बर
2. मार्क
3. स्थायी पता
4. रजिस्ट्रीकृत साइकिल के सम्बन्ध में पुराने टोकन का नम्बर

यदि ऊपर दी गयी सूचना झूठी पायी जाए तो मैं छावनी अधिनियम, 1924 के अधीन दण्ड का भागी हुंगा।

भयवीर्य,
आवेदक के हस्ताक्षर
तारीख-----
आवेदक के बाये झगूटे का निशान

स्वीकृत।

कार्यपालक अधिकारी,
दानापुर छावनी।

कार्यालय द्वारा भरे जाने के लिए।

1. दिये गये कर की राशि।
2. तारीख
3. साइकिल की रजिस्ट्रीकरण संख्या

छावनी कार्यपालक अधिकारी,
दानापुर छावनी।

प्रकर "ख"

(कृपया उप-नियम 6 देखें)

कैट० 4-वी
स०

श्री-----से,
के लिए-----रुपए (शब्दों में) प्राप्त
हुए।

तारीख-----

कार्यपालक अधिकारी

प्रकर "ग"

(कृपया उप-नियम 10 देखें)

छावनी बोर्ड, दानापुर

वर्ष 19 के लिए साइकिल कर का मांग और उगाही रजिस्टर

क्रम सं०	पिता के नाम सहित मालिक का पता	पता	फैम	जानी किये गए टोकन का नम्बर
1	2	3	4	5
मांग		वसूली		
बकाया चालू जोड़		अप्रैल	मई	
		रसीद की संख्या और तारीख	राशि	रसीद की संख्या और तारीख

6		7		8	
वसूली					
जून		जुलाई		अगस्त	
रसीद की संख्या और तारीख	राशि	रसीद की संख्या और तारीख	राशि	रसीद की संख्या और तारीख	राशि
9		10		11	
वसूली					
सितम्बर		अक्टूबर		नवम्बर	
रसीद की संख्या और तारीख	राशि	रसीद की संख्या और तारीख	राशि	रसीद की संख्या और तारीख	राशि
12		13		14	
वसूली					
दिसम्बर		जनवरी		फरवरी	
रसीद की संख्या और तारीख	राशि	रसीद की संख्या और तारीख	राशि	रसीद की संख्या और तारीख	राशि
15		16		17	
वसूली				छूट	
मार्च	राशि	कुल योग	प्राधिकारी	रकम	
रसीद की संख्या और तारीख					
18		19		20	
अतिशेष		कर उगाहने वाले के प्रथमाक्षर		टिप्पणी	
21		22		23	

[फाइल सं० 12/डी एन पी/सी/एल एण्ड सी/71/1699-सी/डी (क्यू एण्ड सी)]
एन० बी० स्वामीनाथन, प्रवर सचिव

New Delhi, the 13th June, 1974

S.R.O. 210.—Whereas the draft of certain bye-laws for regulating the collection and recovery of cycle tax within Dinapore Cantonment was published, as required by section 284 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924) with the notice of the Cantonment Board Dinapore No. 23/7/2916, dated the 7th December, 1972 for inviting objections and suggestions within a period of sixty days from the date of publication of the said notice.

Whereas no objections or suggestions were received by the aforesaid Cantonment Board upto the 6th February, 1973 which was the last date for submitting objections or suggestions.

Whereas the Central Government have duly approved and confirmed the said bye-laws, as required by sub-section (1) of section 284 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (3) of section 282 of the Cantonments Act, 1924 (2 of 1924), and in supersession of the bye-laws on the subject published with the notification of the Government of India in the Ministry of Defence No. S.R.O. 123 dated the 6th April, 1968, the Cantonment Board, Dinapore, hereby makes the following bye-laws namely :—

1. SHORT TITLE AND COMMENCEMENT :

(1) These bye-laws may be called the Dinapore Cantonment (Cycle Tax) Bye-laws, 1974.

(2) They shall come into force at once.

2. DEFINITION :

'Cycle' means a two-wheeled vehicle propelled by rider himself by means of pedals.

3. IMPOSITION OF CYCLE TAX :

Every owner of a bicycle or a cycle which is used or kept for use within the limits of the Cantonment of Dinapore shall be liable to pay a tax @ Rs. 4 per year;

Provided that if a cycle is purchased or brought within the Cantonment limits after the 1st of October, the tax shall be charged @Rs. 2 only for the remaining financial year.

4. EXEMPTIONS :

No tax shall be payable in respect of the following cycles, namely :—

- (a) Children's cycles ;
- (b) Bicycles which are the property of the Central Government or a State Government ;
- (c) One bicycle each for the use of a police officer in connection with his official work and maintained under Police Regulations ;
- (d) One bicycle each for an employee of the Government or the Board kept for the efficient performance of their duties and for the maintenance of which an allowance is paid by the employer ;
- (e) Bicycles kept for sale by a bonafide dealer in bicycles and not used for hire or any other purpose.

5. FORM OF APPLICATION AND PAYMENT OF TAX :

(1) A person liable to pay cycle Tax shall make an application in Form 'A' appended to these bye-laws giving the required particulars to the Executive Officer, within thirty days of the commencement of the financial year or his coming into possession of the cycle to be taxed whichever is later, for registration of the same and shall remit the tax alongwith the application (2) The tax collected shall be acknowledged by means of an official receipt in Form 'B' appended to these bye-laws.

6. RECEIPT :

The receipt shall be granted in the name of the person paying the tax and shall not be transferrable.

7. ISSUE OF TOKEN :

(1) On receipt of the payment of tax and registration of the cycle, a token shall be issued by the Board on further payment of fifteen paise.

(2) The token shall bear the same number as indicated in the Demand and Collection Register of the Board's office against the name of the person liable to pay the tax and the token shall be affixed by him at some conspicuous part of the cycle in respect of which it is issued.

8. LOSS OF TOKEN :

If a token issued in respect of a cycle is lost, another token shall be issued by the Executive Officer on further payment of Rs. 2 only.

9. FORM OF REGISTER :

From the information obtained from the applicants for registration or renewal of registration or from any other source at its disposal, the Board shall cause to be prepared in form 'C' appended to these bye-laws, a Demand and Collection Register in which the name of all persons liable to pay cycle tax shall be entered.

10. CYCLES MEANT FOR HIRE :

Persons who keep cycles for hire shall submit a list of such cycles giving the frame number and name of manufacturers on the 1st April and 1st October of each year.

11. INSPECTION OF PREMISES WHERE HIRED CYCLES ARE KEPT :

The Executive Officer or any other person authorised by the Board in this behalf may enter the premises where cycles are kept for hire, for the purpose of inspection of the cycles.

12. TRANSFER OF CYCLES :

(1) When the owner of a registered cycle transfers such cycle to another person during the currency of the registration, he shall report this fact to the Executive Officer who will get the name of the transferee substituted for the name of the original owner in the Demand and Collection Register.

(2) If the transferer has already paid the tax for a year, the transferee shall not be liable to pay the tax for the remaining part of the year.

13. RESPONSIBILITY OF THE ORIGINAL OWNER :

The original owner shall, until such transfer is reported and the name of the transferee is substituted in the Demand and Collection Register of the year, be liable as owner of the cycle for compliance with these bye-laws.

14. PENALTIES :

Whoever contravenes any of these bye-laws shall, on conviction, be punishable with a fine which may extend to fifty rupees and in the case of a continuing breach, with an additional fine which may extend to ten rupees for every day during which such breach continues after conviction for the first such offence.

FORM "A"

To

The Executive Officer
DINAPORE CANTONMENT

Dear Sir,

In accordance with the Gazette Notification No.

dated _____ I the owner of cycle hereby declare that the information given below is correct to the best of my knowledge. I request you to please register my cycle and issue me the registration number.

1. Cycle Number
2. Make
3. Permanent address
4. In case of registered cycle, old token No.

If the information furnished above is found to be false, I shall be liable punishment under the Cantonments Act, 1924.

Dated..... Signature of applicant
Left thumb print of applicant.

Sanctioned.

Executive Officer,

DINAPORE CANTONMENT.

To be filled by the office.

1. Amount of tax paid./
2. Date.
3. Registration No. of cycle.

Cantonment Executive Officer,
DINAPORE CANTONMENT.

FORM "B"
(See Bye-law 6)

Cantt. 4-B.

No.

Received from.....
the sum of rupees (in words).
on account of.....

Dated..... Executive Officer.

FORM "C"
(See bye-law 10)

Cantonment Board, Dinapore

Demand and Collection Register of cycle tax for the year
19— 19

Sl. No.	Name of owner with father's name.	Address	Frame	No. of token issued
1	2	3	4	5

Demand			Recovery	
Arrears	Current	Total	April	May
			No. and date of receipt	No. and date of receipt
6			7	8

RECOVERY

June		July		August	
No. and date of receipt	Amount	No. and date of receipt	Amount	No. and date of receipt	Amount
9		10		11	

RECOVERY

September		October		November	
No. and date of receipt	Amount	No. and date of receipt	Amount	No. and date of receipt	Amount
12		13		13	

RECOVERY

December		January		February	
No. and date of receipt	Amount	No. and date of receipt	Amount	No. and date of receipt	Amount
15		16		17	

RECOVERY

March		Total	Authority	Amount
No. and date of receipt	Amount			
18		19		20

Balance	Initial of Tax Collector	Remarks
21	22	23

[File No. 12/DNP/C/L&C/71/1699-C/D (Q&C)]

N.V. SWAMINATHAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 17 जून, 1974

का० नि० आ० 21.—मेरा अधिनियम, 1950 (1950 का 46), की धारा 8 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, पटनापुर सेक्टर के कमाण्डर को, जो ऐसे सैनिक संगठन का समावेश करने वाला आफिसर है जो केन्द्रीय सरकार की राय में किसी ब्रिगेड से कम नहीं है, ऐसा आफिसर नियुक्त करेगा जो उन शक्तियों का, जिनका किसी ब्रिगेड के समावेश करने वाले आफिसर द्वारा उक्त अधिनियम के अर्थात् प्रयोग किया जा सकेगा, उक्त अधिनियम के अधीन ऐसे व्यक्तियों के संबंध में जो उसके अधीन सेवा कर रहे हों प्रयोग करेगा।

[का० सं० 41776/पी०एम०/733-एस/डी (ए०सी०)]

का० वे० रामनमूर्ति, उप सचिव।

New Delhi, the 17th June, 1974

S.R.O. 211.—In exercise of the powers conferred by Section 8 of the Army Act, 1950 (46 of 1950), the Central Government hereby prescribes the Commander, PARTAPUR Sector, an Officer Commanding a military organisation, which in the opinion of the Central Government is not less than a Brigade, as the officer by whom the powers, which under the said Act may be exercised by an officer commanding a Brigade, shall, as regards persons subject to the said Act who are serving under him, be exercised.

[F. No. 41776/PS1/733-S/D(AG)]

K. V. RAMANAMURTHI, Dy. Secy.

